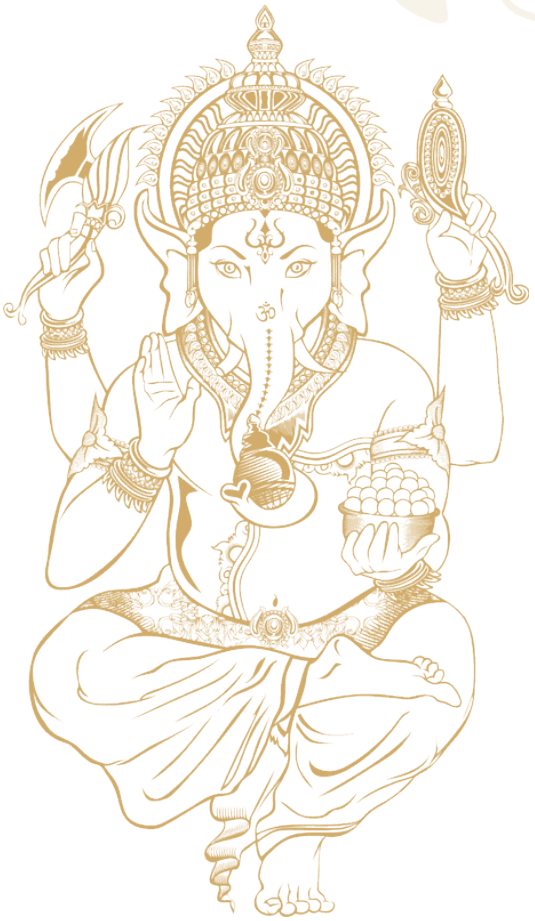

Mr.ravi

Ms.vijayta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120446402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/08/1993	जन्म तिथि	16/10/1995
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:45:00	जन्म समय	12:30:00 घंटे
घटी 03:50:20	जन्म समय(घटी)	15:40:42 घटी
India	देश	India
Mysore	स्थान	Hyderabad
12:18:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
76:37:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:32	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:51	सूर्योदय	06:09:39
18:37:33	सूर्यास्त	17:54:10
23:46:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 0वर्ष 1मा 28दि	00:57:57	कन्या	लग्न	धनु	25:06:11	गुरु 10वर्ष 9मा 14दि
सूर्य	09:05:48	सिंह	सूर्य	कन्या	28:38:28	बुध
23/10/2020	29:52:25	वृश्चि	चंद्र	मिथु	24:20:27	31/07/2025
24/10/2026	15:09:28	कन्या	मंगल	वृश्चि	02:56:03	31/07/2042
सूर्य 10/02/2021	05:49:28	सिंह	बुध	कन्या	11:39:09	बुध 28/12/2027
चन्द्र 12/08/2021	20:14:36	कन्या	गुरु	वृश्चि	19:13:05	केतु 24/12/2028
मंगल 18/12/2021	04:22:21	कर्क	शुक्र	तुला	13:37:30	शुक्र 25/10/2031
राहु 11/11/2022	02:43:16	कुंभ व	शनि व	कुंभ	25:18:33	सूर्य 30/08/2032
गुरु 30/08/2023	14:37:13	वृश्चि व	राहु	तुला	02:43:37	चन्द्र 30/01/2034
शनि 11/08/2024	14:37:13	वृष व	केतु	मेष	02:43:37	मंगल 27/01/2035
बुध 18/06/2025	24:52:36	धनु व	हर्ष	मक	02:45:59	राहु 15/08/2037
केतु 24/10/2025	24:55:26	धनु व	नेप	धनु	29:00:31	गुरु 21/11/2039
शुक्र 24/10/2026	29:06:03	तुला	प्लूटो	वृश्चि	05:15:46	शनि 31/07/2042

लग्न-चलित

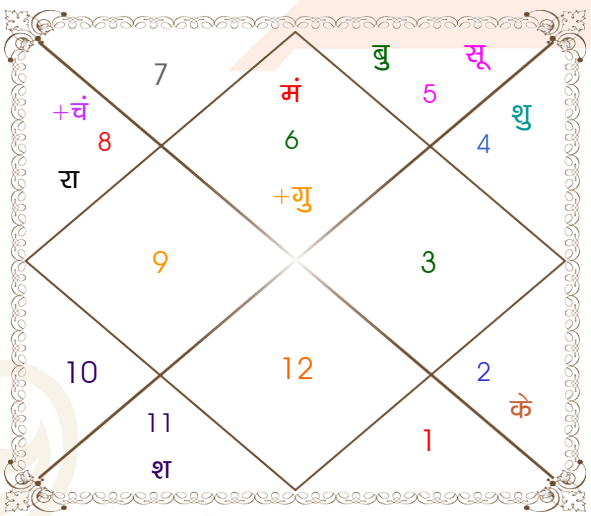

लग्न-चलित

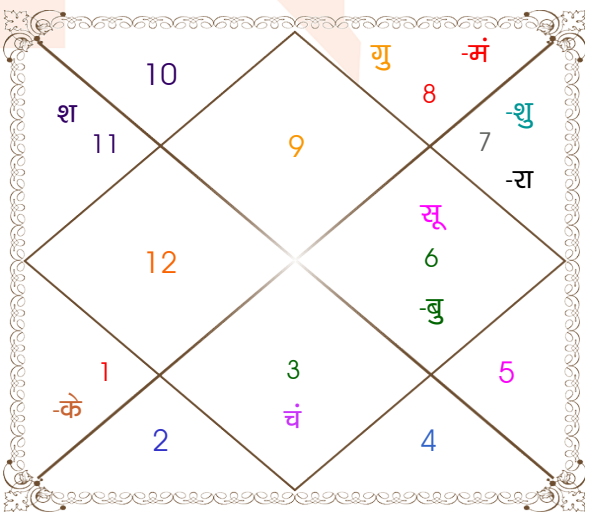

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.ravi का वर्ग मृग है तथा Ms.vijayta का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.ravi और Ms.vijayta का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.ravi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.ravi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.vijayta मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.vijayta कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.vijayta कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.vijayta कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.vijayta कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.ravi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.ravi तथा Ms.vijayta में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।